

भाजपा सरकार में पिछड़े एवं कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया जा रहा : गणेश जोशी

सम्मेलन

8 जोशी की अग्रुवाइ में कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थामा।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने हाईए पर रहने वाले सम्प्रदाय को अब मुख्यधारा समाज में शामिल कर उठने अर्थिक रूप से सशक्त बनाने का काम किया है।

प्रधानमंत्री मोदी के हासबका साथ सबका विकासाल इंटिकोण ने प्रत्येक देशवासी विशेष रूप से अनुचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और आर्थिक रूप से



मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के अट्ट प्रयासों की बढ़ौलत हासिए के समुदाय अब मुख्यधारा के समाज में शामिल हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पूकर सिंह धामी के नेतृत्व में हर योजना का लाभ सायाज के अर्थम और पर खड़े वर्चित व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा रहा है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से भाजपा उम्मीदवार माला राज्यलक्ष्मी शाह के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

इस मोके पर टिहरी गढ़वाल लोकसभा उम्मीदवार माला राज्यलक्ष्मी शाह ने कहा कि केन्द्र सरकार सदैव अर्थम और पर खड़े व्यक्ति के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा का दामन थामा।

कमजोर वर्गों को सशक्त बनाया है शुक्रवार को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के नीलकंठ विहार, पथरियापीर में मंत्री गणेश जोशी ने सामाजिक समरसता सम्मेलन को

हरक सिंह रावत की बढ़ सकती है मुटिकले, ईडी ने किया तलब

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत और उनकी पुत्रवधु अनुकूलि गुराइ के मुटिकले बढ़ सकती है। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने दोनों को पूछताछ के लिए तलब किया है। ईडी ने हरक सिंह को दो और अप्रैल को, जबकि अनुकूलि गुराइ को दो अप्रैल को ईडी दफ्तर में पूछताछ के लिए तलब किया है। कॉर्बेट टाइपर रिजर्व के तहत पाखरों ताइपर सफारी निर्माण में अवैध रावत सरकार के गले पर गला घोटने के निशान हैं। दोनों की सादी का सार वर्ष हुए थे।

आसपास के लोगों के अनुसार दोनों में अक्सर कहासूनी होती रहती थी।

प्रधान व्यापार प्रकाश में आया है कि पर्सी की हत्या करने के उपरांत लक्ष्यर में जाकर जानप्रकाश ने खुदकुशी कर ली है। घटना के संबंध में मृतक के फूफा बलराम पुत्र रामचंद्र निवासी बेलराम्या थाना तिकुनिया जिला लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश ने थाना नहरू कालीनी में तरहर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मृतक के गले पर गला घोटने के निशान हैं।

दोनों की आपानी होती रहती थी।

प्रधान व्यापार प्रकाश में आया है कि पर्सी की हत्या करने के उपरांत लक्ष्यर में जाकर जानप्रकाश ने खुदकुशी कर ली है। घटना के संबंध में मृतक के फूफा बलराम पुत्र रामचंद्र निवासी बेलराम्या थाना तिकुनिया जिला लखीमपुर खीरी उत्तर प्रदेश ने थाना नहरू कालीनी में तरहर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मृतक के गले पर गला घोटने के निशान हैं।

आपानी होती रहती थी।

दोनों की आपानी होती रहती थी।



संपादकीय

इस बार मतदान
'इसलिए' महत्वपूर्ण है

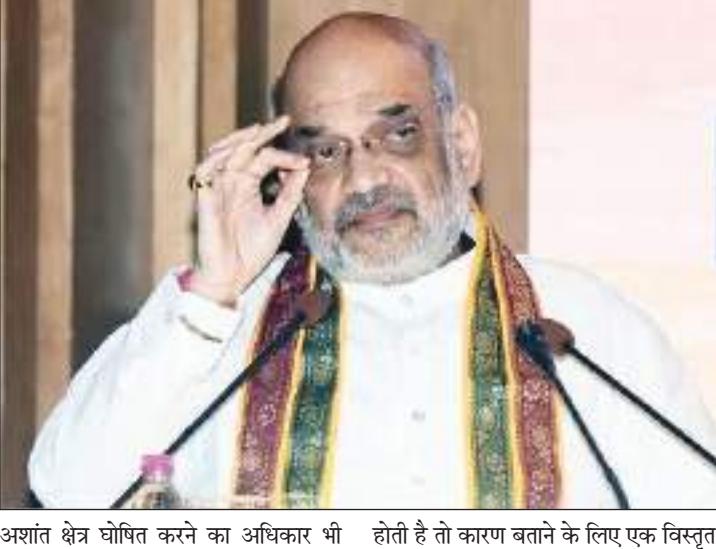
2024 के आम चुनाव की घंटी बज चुकी है। प्रधानमंत्री ने नेतृत्व के दस साल के शासन और खड़ित विषय की चर्चा पूरे देश में हो रही है। लगभग सभी संचार व अन्य माध्यम मोदी के लिए प्रचंड बहुमत का अनुपान लगा रहे हैं, वह भी तब जब उनके शासन के खिलाफ दो कार्यकालों से विषय का झूठा विमर्श स्थापित कर विरोध चल रहा है। जब वह सब चल रहा है, तो भारतीय नागरिकों की सामाजिक मानसिकता, विशेष रूप से शर्करा और शहरों में रहने वाले लोग यह मानने लगे हैं कि चौक विप्रान्मी मोदी चुनाव जीत ही रहे हैं, इसलिए हमें लाइन में खड़े होकर एक खास दिन बोत वोट देना चाहिए। जबकि हम इसके बजाय परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक पकड़ा जा सकते हैं। कई लोगों का मानना है कि मतदान न करने से कोई फर्क नहीं पड़ता (मेरे एक बोत से क्या फर्क पड़ेगा)। यही कारण है कि शहरों और महानगरीय क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत कम है। जो कोई भी भारत को सामाजिक, अर्थात् और आधारिक प्रधानमंत्री मोदी के रूप में देखना चाहता है, उसे आपके हाईकोर्ट के चर्चा पर विचार करना चाहिए। हर बोत देश को मजबूत बनाने और आंतरिक और बाहरी दोनों दुश्मानों से लड़ने में मदत करता है। हमें अपने महान राष्ट्र में बहुत उथल-पुलस देखी है, और हम ऐसी मानसिकता के शिकार हुए हैं जिसे कोई नहीं चाहता। पिछले कुछ दशकों में विकसित हुई "अपनिवेशिक मानसिकता" ने वर्षावादी राजनीतिक दलों को लाभ पहुंचाया है, वे कभी नहीं चाहेंगे कि ऐसी मानसिकता बढ़ाव जैसे उन्हें इस राष्ट्र को लूटने और कमज़ोर करने में मदद की है। अगर हम वास्तव में अपने आंतरिक और बाहरी दुश्मानों में डूट पैदा करना चाहते हैं, तो हमें मतदान करना चाहिए। जब भी देशमें इंवेस्टमेंट बढ़ता रहा है, तो वह दुश्मान के दिमाग में एक शक्तिवाले भेजता है। हमें पिछले दो कार्यकालों में देखा है कि अगर हम चुनाव में जाते हैं और भारी बहुमत से सरकार चुनते हैं, तो देश सही दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर देता है, हर क्षेत्र में प्रगति हो रही है। कुछ लोग तरह दो सकते हैं कि दस साल बाद भी अभी भी बहुत सारी चुनौतियां हैं। हर, कोई सहमत होगा, लेकिन हमें अपने जीवन के अधिकारों का अध्ययन करने की आवश्यकता है। हम जो कुछ भी अब हैं, वह हमारे पूर्वजों और परिवर्तों के प्रयासों का परिणाम है। वैसे ही, इस विशाल देश में 24 करोड़ से अधिक परिवार हैं, जिनमें विभिन्न संस्कृतियां, राजनीतिक विचारधारा और सभी स्तरों पर अलग प्रशासन हैं। इसलिए, जबकि हम जपानी स्तर पर विकास के प्रमाण देख सकते हैं, महत्वपूर्ण बदलाव लाने में कम से कम एक दशक और लगता। आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को मजबूत करना, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अनेक अवसरों पर सम्पन्न और नेतृत्व की भूमिका, अर्थात् एक सकारात्मक वार्ता, आत्मनिर्भर भारत के एक विप्रों के रूप में "स्व" आधारित अनेक नीतियां और क्रियान्वयन, औपनिवेशिक मानसिकता को हटाकर "स्व" आधारित मानसिकता का विकास, और राष्ट्र के विकास और सुरक्षा के लिए सानान धर्म के महत्व को मान्यता देना, ऐसी सरकार को वापस चुनकर देना होगा। इसलिए, राष्ट्र विनाशकारी मानसिकता से रचनात्मक मानसिकता में परिवर्तित हो गया है।

जम्मू-कश्मीर से अफस्पा हटाने के सुखद संकेत



डॉ. आ.पी. त्रिपाठी

"एक बहुत अफस्पा पूर्वोत्तर भारत के असम, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम और नगालैंड में लागू था। साल 2015 में इसे त्रिपुरा से हटा लिया गया था। वहीं, पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों में धीरे-धीरे इस कानून व्यवस्था के सापेस बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की है। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के गंभीर संकट के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा अस्तित्व में आया होगा। हालांकि, नागरिक स्वतंत्रता के अतिक्रमण और कई बार सुरक्षा बलों के अधिनियमों में चक्र के चलते हुई अपने जाती हैं इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। विवरण देश की सरकारें इसे अपनाकर व अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। वहीं, बाहरी दोनों दुश्मानों से लड़ने में मदत करते हैं। अगर हम वास्तव में अपने आंतरिक और बाहरी दुश्मानों में डूट पैदा करना चाहते हैं, तो हमें मतदान करना चाहिए।"



जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में लागू सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी की अफस्पा को लेकर देश में एक बार फिर से चर्चा गर्म हो गई है। इसका मुख्य कारण देश के कुछ गंभीर अमित शाह द्वारा किया गया यह दावा है कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर से सेंगा वापस बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की। दरअसल, बीते दिनों एक इंटरव्यू में गंभीर अमित शाह ने ये भी कहा है कि सरकार की योजना जम्मू-कश्मीर से सेंगा को वापस बुलाने और अफस्पा को हटाने की। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के गंभीर संकट के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा अस्तित्व में आया होगा। हालांकि, नागरिक स्वतंत्रता के अतिक्रमण और कई बार सुरक्षा बलों के अधिनियमों में चक्र के चलते हुई अपने जाती हैं इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। बहरहाल, अनुच्छेद 3 के रूप में देखते रहे हैं। वहीं, बाहरी दोनों दुश्मानों से लड़ने में मदत करते हैं। अगर हम वास्तव में अपने आंतरिक और बाहरी दोनों दुश्मानों से लड़ने में मदत करता है। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखते रहे हैं। इसके बावजूद इसका सार्थकता को लेकर बुलाने और अफस्पा को हटाने पर विचार करने की विवादाता है। इसके खिलाफ लंबे अंदोलन भी हुए और राज्य को अशांत क्षेत्रों से जुड़े संगठन इसका मुख्य विरोध भी करते रहे हैं। इसमें दो यात्री नहीं कि देश की अखंडता को चुनौती और कानून व्यवस्था के बीच देश के बीच सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम यानी अफस्पा हटाने के संकेत का अतिवाद के उपचार के रूप में देखत

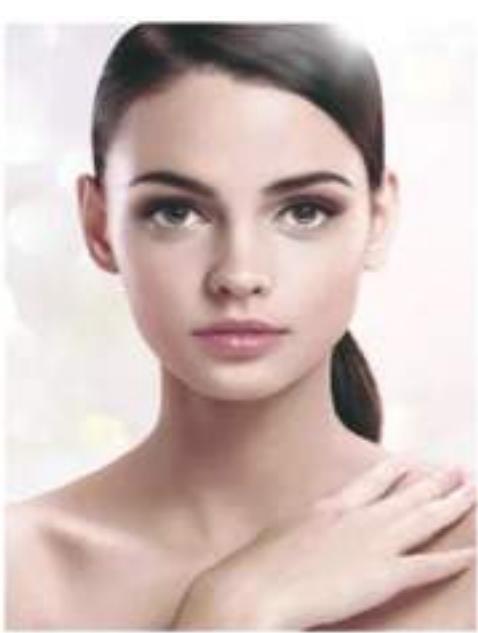
पूजा-पाठ के साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है कपूर

आमौत पर कपूर का इस्तेमाल पूजा-पाठ के लिए होता है, लेकिन बहुत कम लगता है। जाने लें कि ग्राहकीकरण के लिए जलाने की विधि का अन्य तरीकों से भी ही सकता है। आपकी लालोंका इस्तेमाल अपने घर के कामों और सेहत के लिए करते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि कपूर से होने वाले फायदे के बारे में।

बांधों की दर्द, जलन, कटने में कपूर का इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के साथ-साथ कपूर रिक्सन के लिए भी फायदेमंद होता है। अगर आप लंबे वक़्त से खुजली से परेशान हैं तो आप एक चम्मच नारियल तेल में कपूर को मिक्स करें, फिर खुजली वाले स्पान पर लगाएं। यह नुस्खा आपको खुजली से तुरन्त राहत दिलाएगा।

एक टर्टी में इस बात का खुलासा हुआ है कि कपूर औंखीकरण के लिए बहुत कामयाम होता है। साथ ही कपूर चेहरे पर निकल रहे कील मूलसे से भी छुककरा लगता है।

कल बात कियन में कल करें वक़्त आपकी त्वचा बोझी सी जल जाती है, उस स्थान पर कपूर लगाने से आपकी नीली हुई त्वचा सही हो जाती है। घास को टीक करने के साथ-साथ कपूर का इस्तेमाल उसके निशान को भी टीक करता है। कपूर का इस्तेमाल बालों को झड़ने से रोकता है। साथ ही रुक्षी को बालों से खड़क करता है और बालों को मनवूट बनाता है। कुछ विशेषज्ञों ने इस बात का दावा किया है कि नारियल तेल में कपूर मिलाकर लगाने से आपके बाल मनवूट होते हैं।



आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपनी त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते। बाहर इतना पॉल्यूशन है कि हमारी स्किन मुरझाने लगती है। कई लोगों को तो एवने प्रोब्लम हो जाती है। अगर आप भी इन्हीं चीजों से परेशान हैं और बहुत कोशिश करने के बाद भी स्किन पर वो ग्लो नहीं आ पा रहा है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर पर ही कुछ आसान तरीकों से अपने घेरे का खास ख्याल रख सकती हैं। दिन की शुरुआत पानी से करनी चाहिए, यह बात तो हम सभी जानते हैं। सुबह हल्का गुनगुना पानी पीने से होने वाले कायदों के बारे में आपने बहुत सुना होगा। इससे आपका घेरा हाइड्रेट रहता है। साथ ही यह शरीर की अशुद्धियों को दूर करने में मदद करता है, जिससे त्वचा पर निखार साफ़ दिखने लगता है। आइए जानते हैं पानी में मिलाई जाने वाली चीजों के बारे में...

विविध

ज्लोइंग त्वचा पाने के लिए सुबह ही पीने के पानी में मिलाएं ये तीन चीज़े

दालचीनी

टेस्टिपी

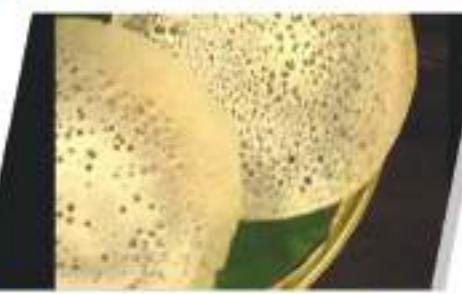
सबसे पहली चीज़ है दालचीनी। यह दृष्टिकोणी बदाने के साथ-साथ मोटापा बढ़ाने में भी मददगर है। अगर सुबह के पानी को उबलाने समय उसमें एक चुटकी दालचीनी को मिला लिया जाए तो यह आपकी त्वचा के लिए रामबाण है।

चिया सीड़स

हर दिन मानिंग वॉटर में चिया सीड़स लेने से जरीर हेली रहता है और त्वचा पर ग्लो भी आता है। इसके अलावा यह ट्रिक रिस्क्स को दूर करने में मदद करता है। बहुत सारे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स में भी चिया ऑक्सिडेंट का इस्तेमाल किया जाता है।

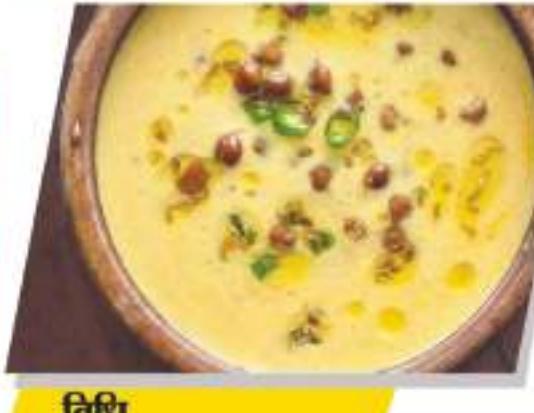
स्ट्रोबेरी

स्ट्रोबेरी जूस को पानी में मिलाकर पीने से चेहरे के दाढ़ ख्वाब कम हो जाते हैं। इसके नियमित सेवन से दाढ़ नायब हो जाते हैं। इसमें विटामिन सी और एटीओक्सिडेंट होता है जिसमें चेहरे पर ग्लो आता है।



तिथि

आप बानाने के लिए सबसे पहले रात में बचत और नारियल को पानी में डिपोकर रख दें। सुबह इसमें नमक और चीनी डालकर निष्पत्त करें। इसके बाद उसमें इंसे डालकर बुजुर दें। बांधी दें रात बाद सभी को पीस दें। पीसने के बाद बिश्वार को 4-5 पांच के लिए रख दें। अब बैन में तेल गम्बर करें और आपम को फैलाकर इसमें डालें। फिर इसे दीनों तक रेंग के बांधे रखें और सर्व करें।



आपम

- एक कप बाल
- दो कप कूदकूस किया नारियल
- 3 चम्पव चीनी
- 1/2 टौम्पून खमीर (इंस्ट)
- नमक
- तेल

काले बने की कढ़ी

- भिंगे और ऊबले हुए काले बने
- दूध ■ बैसन ■ एक छीटा बम्ब
- हस्ती ■ एक बड़ा बम्ब गरम मसाना
- दो तेजपतल ■ दो सूजी तात मिर्च
- बूजीभर हींग ■ आज बम्ब मसी दाना
- आज छीटा बम्ब चीनी ■ दो हीरे मिर्च
- आज कप प्याज ■ आज कप टमाटर
- एक बड़ा बम्ब अदरक-हल्कुन का पेरट
- दो बड़ा बम्ब तीत ■ नमक

तिथि

सबसे पहले एक कढ़ीमी में तेल डाले और हीम तेजपता, सूजी तात मिर्च और मसी दाना और गौता डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-हल्कुन का पेरट और प्याज डालकर सूजीहरा होने तक भूनें। उब गरम मसाना, हस्ती, और काले बने डालकर तरह तक पकाएं। तेज तक की मसाना तेल न मूँछने लगें। दूसरी ओर एक कढ़ीमी में दीनों में बैंसन डालकर आज्ञी तरह घोल ले। मसाना के तेल अंडेल हो जाए तो घोल कर दीनी चाहिए। बिना की घोल कर दीनी चाहिए।

टाईम पास

लॉफिंग नींजों

दो चिया आपस में चाप कर रहे थे। एक चिया ने कहा— 'यार, जब मैं सूट पानकर सब्जी लेने जाता हूं तो दुकानदार मुझे महंगी साक्षी देता है और जब गद चपड़े पहनकर जाता हूं तो सभी देता है।'

दूसरे चिया ने सुनाया दिया— 'यार, तुम केटोरा लेकर आज्ञा करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

अपनी पाली के चियाहिंडे और गुस्ताल स्वयंभाव से परेशान रहने एक बार की बात जानी चाहती है। चाहती और अंदर की बात जानी चाहती है। यह चिया आपस में जाग रही है।

अपनी पाली के चियाहिंडे और गुस्ताल स्वयंभाव से परेशान रहने एक बार की बात जानी चाहती है। चाहती और अंदर की बात जानी चाहती है। यह चिया आपस में जाग रही है।

चिया ने उल्लासा देते हुए पति से कहा— 'ब्यौजों, आप तो बिवाह से पहले होता होता तो मैं संसास ही क्यों लेता।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

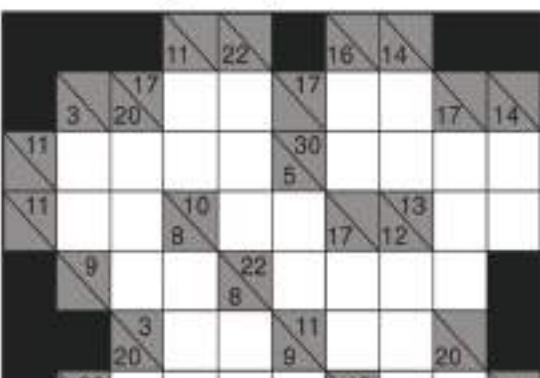
पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति— 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा है कि तुम्हारी बीजों से बोहोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

काकुरो पहेली - 645



काकुरो - 644 का हल



ददाहरणातः

1. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

2. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

3. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

4. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

5. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

6. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

7. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

8. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

9. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

10. 1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 =

फास्ट न्यूज

लालू यादव ने कांग्रेस के साथ कर दिया 'खेला'

सुपौल क्षेत्र से यह दूसरा मौका होगा जब राजद के सिंबल पर उम्मीदवार मैदान में होंगे, हालांकि राजद ने किसे अपना उम्मीदवार बनाया है, अभी इसका इंतजार है

मीरजापुरः परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक गांवों में चुनावी पाठशाला लगाएंगे। वे विद्यारथियों के अभिभावकों को चुनाव में मतदान का महत्व बताएंगे। साथ ही उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। इसके लिए विद्यालयराना नोडल बनाते हुए जिम्मेदारी सौंपी गई है। जनपद के 1806 परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत दो लाख 71 हजार 607 बच्चों के अभिभावकों तक शिक्षकों की जिम्मेदारी लाने के लिए विद्यालयों के लिए सात मई को मतदान होना है। 12 अप्रैल से पर्चा दाखिल किया जाएगा। राजतात्त्विक गठबंधन से यह सीट जहां जदयू के ही कोटे में रही, वहीं महागठबंधन की ओर से इसबार यह सीट राजद के हिस्से में पड़ी है।

पहुंच से मतदान प्रतिशत में बढ़तीरी का प्रयास किया जाएगा। जिला वैसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि लोकतंत्र में मतदान का अमूल्य महत्व होता है। लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान कराने का प्रयास प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। जनपद के परिधीय विद्यालयों के प्रधानाध्यक्षों द्वारा चुनावी पाठशाला का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। यहाँ से लोकसभा

किया जाएगा। सभी खड़ शिक्षा अधिकारियों को इस बाबत दिशा निर्देश जारी किया गया है। फिलहाल शासन-प्रशासन शतप्रतिशत मतदान कराने को लेकर कटिबद्ध है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका निरंजन के निर्देश में जिले में लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसमें वैसिक शिक्षा विभाग भी बढ़ चढ़कर भागीदारी कर रहा है।

टिम्मरसैण म बर्फानी ने



बध्य क गल म कसा
जिंदा मछली, ऑपरेशन
कर मछली को
निकाला बाहर

जांगीर-चांप: जिले में शुक्रवार को 14 साल के बच्चे के गले में जिदा मछली फँस गई। तालाब में मछली पकड़ने के लिए बच्चा गया था। सूचना मिलने पर परिजन बच्चे को लेकर अकलतरा अस्पताल पहुंचे। वहां प्रयास के बावजूद मछली निकालने में सफलता नहीं मिलने पर डॉक्टरों ने बच्चे को बिलासपुर रेफर कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, करुमहु गांव निवासी समीर सिंह अपने दोस्तों के साथ मछली पकड़ने गया था। इस दौरान समीर ने एक मछली को पकड़ लिया, लेकिन उसे रखने के लिए कुछ सामान नहीं था। ऐसे में उपरोक्त समीर को 27%

भक्तों की भारी संख्या में भीड़ उमड़ रही है। जोशीमठ नीति मलारी हाइवे पर बर्बाबारी के चलते बाधित हाइवे खुलते ही शिव भक्त हर रोज सैकड़ों की संख्या में बाबा बर्फनी के दर्शनों को पहुंच रहे हैं।

जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ साथ कारोबारियों में भी खासा उत्साह बना हुआ है। सीमांत विकासखंड जोशीमठ में भारत तिब्बत सीमा पर लगे नीती घाटी में स्थित एक अद्भुत दर्शनीय स्थल टिम्परसैण महादेव जहां बर्फ के शिवलिंग के रूप में भगवान शिव भक्तों को दर्शन देते हैं।

बायकर हैरिय खुलते ही शिव भक्त हर रोज सैकड़ों की संख्या में बाबा बर्फनी के दर्शनों को पहुंच रहे हैं।

को भारी मात्रा में पहुंचते रहते हैं। सड़क से बर्फ हटाने का काम हुआ पूरा: इन दिनों चमोली जनपद में मौसम साफ होने के साथ ही सीमा सड़क संगठन ने जोशीम नीति मलारी हाइवे से बर्फ हटाने का काम पूरा किया तो टिम्परसैण महादेव के दर्शनों को पहुंचने वाले अद्वानों ने नीती घाटी किंवद्दन से भी दूरी रखा है।

बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम का दीप प्रज्ञवलन करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़।

बड़ा योगदान था। इनकी मौत सदैह के घेरे में है। न्यायालय को स्वतः इसका संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर जेल में किसी की मृत्यु होती है तो

प्रतिसामने का आवागाह जेल के अधिकारी से लेकर सरकार सभी की जिम्मेदारी है। बेटे अब्बास को शामिल होने के लिए डीएम को स्वतः जनाजा में शामिल होने की अनुमति दे देनी चाहिए।

आयग का निदश कोलकाता : मुर्शिदाबाद के बहरमपुर से तुर्मूल कांग्रेस के उमीदवार और टीम डिडिया के पर्व क्रिकेटर यसफ पठान को चिराग ने सभी सीटों के लिए प्रभारियों का किया एलान जन्मू-श्रीनगर एनएच पर बड़ा हादसा, बिहार के उत्तराखण्ड में चुनावी

निर्देश जारी उत्तराखण्ड के डीजीपी ने किया घटनास्थल का दौरा, जल्द खुलासा करने का किया दावा
बाबा तरसेम सिंह की हत्या के बाद उत्तराखण्ड पुलिस में हड़कंप

अंधेरगर्दी: सात दिन में गोशाला से गायब हो गए सैकड़ों गौवंश

नईदेश जारी उत्तराखण्ड के डीजीपी ने किया घटनास्थल का दैरा, जल्द खुलासा करने का किया दावा
बाबा तरसेम सिंह की हत्या के बाद उत्तराखण्ड पुलिस में हड़कंप

इसके साथ ही डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारी और लोगों को देखा।

पुलस अधाक्षक डॉक्टर मजूना दीसी और थानाध्यक्ष देवेंद्र गौरा

A photograph showing a group of people, including a man in a white shirt and sunglasses, sitting outdoors. The image is part of a larger collage.

यूपी और पंजाब पुलिस ने बनाए हैं संपर्क: डीजीपी अभिनव

कुमार ने हत्यारों की गिरफ्तारी कर्तव्यार्थ के लिए मैं महिला व

कानारी का जल लेते हुए उन्होंने कहा कि घटना बड़ी है जो सनसरियों के लिए साथ दिलचस्प है। अद्वितीय

आधिकारिया का जल्द खुलासा मजूनाथ टासा से घटना का करने के निर्देश दिए। डोजीपी जानकारी ली।

उत्तराखण्ड का पुलिस में हड़कंप आभिनव कुमार दोपहर नानक सुलास कारवाइ का दी और पजाब पुलिस से भा लगात अंसंक्षिप्त बनाए हुए हैं। उन्होंने क्षेत्र वेश

गंभीर कुमार ने श्रुतिवार का डीजीपी अभिनव कुमार सीधे लागू करना चाहते हैं। उन्होंने कुमार ने अपराधियों को पकड़ने के लिए गलियां दाढ़ा किए जो उनीं करते हैं कहा कि घटना का जल